

टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे

एम्. ए. हिंदी (प्रथम वर्ष)

परीक्षा : अप्रैल/मई - २०२६

सत्र - १

विषय : प्राचीन काव्य - (भाग-१) (HDS - 102)

दि.: ०७/०५/२०२६

कुल अंक : १००

समय : प्रातः १०.०० से दो. १.००

सूचनाएँ : १) किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
२) सभी प्रश्नों के लिए समान (२०) अंक हैं।

- प्र. १ 'पद्मावत' में चित्रित प्रकृति चित्रण का विवेचन कीजिए।
- प्र. २ 'पद्मावत' में नारी चित्रण पर प्रकाश डालिए।
- प्र. ३ 'पद्मावत' में प्रस्तुत महाकाव्यत्व को रेखांकित कीजिए।
- प्र. ४ भक्ति के बारे में कबीर के विचारों को प्रस्तुत कीजिए।
- प्र. ५ कबीर की विरह भावना का विवेचन कीजिए।
- प्र. ६ 'विनय-पत्रिका' की रचना के पीछे तुलसीदास के प्रयोजन पर प्रकाश डालिए।
- प्र. ७ तुलसीदास जी के 'कलि' के संबंध में विचार प्रस्तुत कीजिए।
- प्र. ८ 'विनय-पत्रिका' में प्रस्तुत तुलसीदास जी के समन्वय के मुद्दों को अधोरेखित कीजिए।
- प्र. ९ निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं दो की स-संदर्भ व्याख्या कीजिए ।
- १ जोहि पंखी के निअर होई, कहै विरह कै बात।
सोई पंखी जाइ जरि, तरिवर होई निपात॥
- २ कँवल जो बिगसा मानसर,
बिनु जल गएउ सुखाइ ।
अबहुँ बेलि फिर पलुहै,
जो पिउ सींचहु आइ ॥
- ३ कबीर बादल प्रेम का,
हम परि बरस्या आइ ।
अंतरि भीगी आत्मा,
हरि भई वनराई ॥
- ४ “जाके प्रिय न राम वैदेही।
सो छाँडि कोटि बैरी सम जद्यपि परम सनेही॥”

प्र.१० निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए।

१. पद्मावती का सौंदर्य वर्णन
२. नागमति-विरह
३. कबीर की भाषा
४. 'विनय-पत्रिका' - प्रयोजन ।